वोह पर्दे के पीछे जो पर्दा नशीं है

वोह पर्दे के पीछे जो पर्दा नशीं है

उठा पर्दा, दिखा जलवा,
दीवाने खास आए हैं।
सुनाने, हाले दिल मोहन,
तुम्हारे पास आए है॥

वोह, पर्दे के पीछे, जो पर्दा नशीं है॥
मेरा सांवरा है, यह, मुझको यकीं है,
वोह, पर्दे के पीछे, जो पर्दा...

तलबग़ार उसका है, यह सारा ज़माना॥
कोई, है पगला, तो कोई है दीवाना॥
दिल, लूट लेने का, बड़ा ही, शौक़ीन है,
वोह, पर्दे के पीछे, जो पर्दा...

उठती है, जब यह, दिल-ए-बेकरारी॥
वोह, आता है बाहर, बाँके बिहारी॥
रसीला, रंगीला है, बड़ा ही, हसीन है,,,
वोह, पर्दे के पीछे, जो पर्दा...

यह पर्दा, हटा दो, तड़प दूर कर दो॥
मेरी, भावनायों में, श्याम रस भर दो॥
मोरी, चुनरिया,,,॥ तोरे, रंग में रंगीन है,,,
वोह, पर्दे के पीछे, जो पर्दा...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34545/title/woh-parde-ke-peeshe-jo-parda-nashin-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |